"सबके साथ सबका विकास"

विकास हर एक देश, नागरिक का सपना है। अच्छी तरह जीना हर एक नागरिक का बहुत बड़ा सपना है। अगर एक देश को विकास होना तो उसमें रहनेवाले आदमियों पूरी मन से प्रयत्न करना है।

आज की युग बहुत बदल चुकी है। आज देशों प्रयत्न कर रही है क्योंकि एक देश को वहाँ रहनेवाले आदमियों या नागरिकों का जीवन खुश रखा है तो ही उन देश का किसी को प्रगति मिल जाएगी। इस नई पीढ़ी को बहुत अधिक सपनाएं हैं जिन्हें सफलता करने को वो बहुत अधिक प्रयत्न होती करती हैं। इन सबको सफलता होने को सबका विकास और सबको अच्छी जीवन मार्ग मिलना है।

भारत की स्वतंत्र सेनाओं उसको स्वतंत्रता प्राप्त करने में कुछ सोच है कि इस देश में रहोवाली सबको एक तरह विकास होना चाहिए। स्वतंत्रता प्राप्त होने के इतनी साल बाद भी उस सोच और उस आशा को पूरी तरफ से सफलता करने को भारत वासियों को नहीं आयी। आज भी बहुत सारी समस्याएँ बाकी हैं। इस सबको पूरे करवाने से ही सबको विकास होती है। इसमें मुख्य कारण यह है कि आदमियों को अलग-अलग देखना तथा बेकार आदमियों और करोड़पति आदमियों को अलग-अलग देखना।

एक देश को पूरी तरह से विकास होने को कई कार्य है। उन सब पूरा करना बहुत मुश्किल रहेगी फिर भी उस सबको पूरे करने में भी एक देश में सबको विकास होती है। इसमे देश की नागरिकों को एक आँगन में देखना है और सबके एक विकास होना चाहिए। इसका मतलब यह है कि बेकार आदमियों को बिना किसी सहाय देकर या पालन देकर बडी धनवानों को सब जगह में संभालना है। एक कहावत है कि :

एक देश को उनमें रहनेवालों आदमियों बनती है।

अगर हर नागरिक को अच्छा, स्वस्थ जीवन या जिंदगी मिलते तो उस देश उसकी उच्च प्रगति में पहुँचती है।

आज बहुत अधिक लोग बिना एक समय की खाना न मिलकर मरती है। ये बहुत बडी समस्या है। वे इसका कारण यह है कि इसमें कई अधिक लोग को काम नही है। बेरोजगारी भी इसका एक बहुत बडी समस्या है। ~~जनसंख्यावृद्धि~~ सरकार को इस विषय पर अच्छी तरह दिखाना चाहिए क्योंकि एक आदमी को काम न होने पर उसका पार पूरे परिवार भूख से मरती है। ~~जनसंख्या~~ आबादी इसका मुख्य कारण है। इसमें आज तक कोई रोकना ~~ह~~ पडा है। एक परिवार को अच्छी तरह जीने को वहाँ एक ही आदमी को काम होना चाहिए, उसको एक घर, पहने को कपडा और खाने को खाना भी होना चाहिए। इस सब एक अच्छी परिवार बनती है। इससे मे भी एक देश को पूरी तरह से विकास होता है।

जनसंख्या वृद्धि यानि आबादी के कारण आज बहुत सारी समस्या विकास को रोकता है। इसको अच्छी तरह से होने को सरकार और आदमियों बहुत सारी कर्म करना

② 10

चाहिए। भारत आज जनसंख्या में दो स्थान मे है और
१२ कहते है कि कुछ साल के बाद भारत १-एक स्थान में
पहुँचती है। इसमें ~~इसे~~ पता होगी कि आदमिया अन्य देश
मे किसी और देश में ~~ऽ~~ स्वस्थ जीवन तलाशते जाती है।
~~पहले ऽ १~~

सरकार आज कई सारी योजनाए बना है क्योंकि एक-एक नागरिक को उसका आशाए सफलता होने से ही उसको एक स्वस्थ जिंदगी मिल पाएगी। सरकार सबको एक तरह से संभालना चाहिए। सरकार अकेले विकास सफल नही कर पाएगी क्योकि नागरिको को भी विकास होने को आशा होना चाहिए और उसके लिए प्रयत्न करना चाहिए। लेकिन ये नही हो रहे है। आज आदमियों के बीच बहुत सारी युद्ध होती है। ये सब मगर राष्ट्रीय पार्टी, जाति और ऐसा कोई विषय पर होगा। इससे कारण आज भी बहुत सारी लोगो की जीवन भी नष्ट हो रही है। इसका कारण विवेचन है। एक जाति की आदमियों किसी और जाति की आदमियों को दुश्मन सा दिखती है। इस समस्या से कई एक देश को विकास नही होता है। अगर विकास होना है तो सब एकता से होना चाहिए। एकता विकास के लिए बहुत बड़ी चीज है। इसके बिना एक देश भी अलग हो सकता है।

स्वास्थ्य भी एक मुख्य बात है। सरकार को उस देश की निवासियों का पूरा स्वास्थ्य को और अच्छी स्वास्थ्य को अच्छी तरह से दिखना है। एक-एक व्यक्ति को ~~ऽ~~ स्वास्थ्य के अनिवार्य चीजे के लिए अस्पतालों बनाने

मे पूरी नहीं होगी क्योंकि "बीमार होने से पहले उन्हें रोकना अच्छा है"। पर्यावरण और सब जगहों स्वच्छ होना चाहिए। स्वच्छता अब के बिना बहुत सारी बीमारी आती है।

विकास के लिए पहले आ एक देश की आबादियों को अच्छा जीवन और स्वस्थ जीवन न बनाने में सरकार को कई सारी योजनाएं बनी है। रोजगार आबादी एक अच्छी तरह से की जीवन से जीवित होती है और इस देश को प्रगति से पहुँचने में सहायता भी करती है। ~~इसके लिए~~

एक सरकार को सबके साथ बिना किसी विवेचन से होना चाहिए और उसके लिए पूरी तरह से सहायता देना चाहिए। आज नारियों को कुछ जगहों में अलग से दिखती है। वे आज नहीं बल्कि पुरानी से होती है लेकिन बहुत बड़ी कुछ जगहों में दिखती है। कई सारी लड़कियां बिना शिक्षा मिलकर घर की कार्य संभालकर जीते है। बहुत जल्दी से विवाह शादी भी करती है और बच्चे और घर का कार्य संभालकर देखकर जीते है। इसमें बहुत अधिक समस्या है जैसी लड़को को अकेले शिक्षा और काम देकर लड़कियों और नारियों को विवेचन होती है। इससे बाल-विवाह, जैसी दहेज प्रथा जैसी बुरी व्यवहारों से लड़कियों को कोई विकास न मिल पाएगी। इसलिए गांधी जी ने कहा है कि:

"अगर एक देश को प्रगति होती है जब लड़कों के कंधों से कंधो पकड़कर लड़कियां भी सब क्षेत्र में होती है"।

③

इसमें पता होगी कि लडकियों की सारी समस्याए देखना है और उसे रोकने को योजनाए बनना है। ~~२ नारिया एक देश की~~ आज नारिया एक देश की शक्ति है। ये सबको पता होना चाहिए कि नारी एक महत्व भाग है।

बूढी आदमियों आज सडको और कई सारी जगहों में दिखती है कि उनका बच्चे उन्हें अकेला छोडकर चली गई है। ये एक बहुत बड़ी बात है। नई पीढी इसी तरह बदलती है कि उनकी माता-पिता को छोडकर वह उनकी आनंद या खुश के पीछे भाग रही है। इससे एक देश की विरासत को टूटते है। बूढी आदमियो के साथ खडकर उन्हे संभालना है और इससे बडी बात है कि ये करते बच्चो को उस की बुरी व्यवहार की बाते करनी है।

~~बच्चे है~~ 'आज की बच्चे कल का नेताओं' और आज की बच्चों कल देश के वरदान है। देश को उच्च प्रगति से पहुँचने में बच्चों की मुख्य भाग है। ~~बाल~~ वे. आज बच्चे को बहुत बडी फैक्टरियों, दुकानो मे काम-करने को छोडता है। बहुत सारी बच्चे ~~जो~~ आज बिना किसी शिक्षा से सडक पर खडे है और काम करती है। इस सब बच्चे के साथ ~~हो~~ मिलकर उन सबको शिक्षा देना बहुत अधिक प्रधान है। बाल्कि बच्चे टूटती होती है। बच्चों को उनका निष्कलंक ~~बा.~~ बाल जीवन को बुरी तरह से नही होना चाहिए। बच्चे को बहुत सारी कलाए आती है जैसी

~~धुनिया मे कई सारी~~ कोई अच्छी से गाना गाती है, कोई बुद्धिमान हो कोई अच्छी से लिखती है जैसे अनेक कलाएँ बढने मे एक ऐसा देश बन पाऊँगी जिसको कोई वही सोच न सके।

पूरे देशो अलग अलग होती है और उनमें रहनेवाली आदमियों भी अलग होती है। इससे एक वैविद्ध देश बन पाऊँगी। भारत एक ऐसा भारत है जिनमें कई सारी लोगो है वो अलग अलग भाषा बोलती है अलग कपडे पहनती है अलग आचार होती है आदि। इससे भारत को 'वैविद्ध की देश' बताती है।

एक देश मे जो सरकार है जैसी भारत मे जो सरकार है उस सरकार 'सबके साथ और सबका विकास' उनकी लक्ष्य होनी चाहिए। उस देश मे रहती नागरिको को एकता से पुरी तरह से संभालना चाहिए उनका पूरी आवश्य जिस आवश्यक है उन सबको सफलकर एक प्रगति देश बन सकता है। इसकेलिए नागरिको में एकता होना जरूरी है और पूरी मन से रहना है। अगर एक देश की नागरिकों उन उसका न देश की नागरिको को दुश्मन सा दिखती है तो किसी या कोई को विकसित होना असंभव है।

नेताओं किसी भी एक राष्ट्रीय पार्टी की प्रगति के लिए भी अकेले नही होना चाहिए बल्कि उस देश की वासियों को पूरी तरह से सुधारना है और उसको

पूरी सहाय करना है।

सब एक साथ मिले तो सबका विकास संभव है। एकता और इक्षा सहानुभूति आदि गुणो से बहुत भारी गुण आदमियों को मिलती है और एक देश या किसी जगह को विकास पूरी होती है। एक देश का पूरी जन होगा तो है सबका विकास होता है। इसलिए आज दिखती कई भारी समस्याओं को पूरे करने में स्वस्थ जीवन मिल सकती है। सबका विकास संभव होना एक सजा के बिना एक सच्च होना जरूरी है।

जय भारत।